

212. an. 3, 303. MED. t. 157. MBH. 3, 13328. HARIV. 3367. 4588. Spr. 544 (II). 2418, v. l. विधातृविक्रितं मार्गं न कश्चिदतिवर्तते 2809. विधात्रा र-  
चिता रक्षा ललाटे 2810. 2971. 3340. 4147. 4273. RAGH. 1, 35. 6, 11. 7, 22.  
VARĀH. BRH. S. 53, 3. MĀLATIM. 18, 7. KATHĀS. 26, 82. 30, 134. 35, 139.  
विधुर 123, 839. RĪGĀ-TAR. 2, 89. 4, 382. 8, 1771. प्रतिकूल PRAB. 44, 14.  
BHĀG. P. 3, 8, 15. 7, 2, 33. 8, 2, 31. DHŪRTAS. 91, 13. PAÑĀT. 138, 23. वि-  
परीत so v. a. ein widerwärtiges Geschick Spr. 5401. विधाता वेधसाम्  
der Schöpfer unter den Schöpfern KUMĀRAS. 2, 14. एवं विधातारः प्रसी-  
दति ÇĀK. 110, 13. = प्रजापति, काल, भुवनप्रणेता JAVANEÇVARA in Z. f.  
d. K. d. M. 4, 343. 345. Vidhātār als Herr der 2ten Tithi (Brahman  
ist Herr der ersten) VARĀH. BRH. S. 99, 1. Viṣṇu so genannt H. ç. 70.  
BHĀG. P. 3, 1, 42. Çiva 4, 5, 11. Çiv. der Liebesgott H. an. MED. Dhātār  
und Vidhātār als verschiedene göttliche Wesen neben einander MBH.  
3, 10419. 15591. R. 2, 23, 8 (21 GORR.). BHĀG. P. 5, 23, 5. MĀRK. P. 51, 88.  
unter den Āditja BHĀG. P. 6, 6, 37. als Söhne Brahman's MBH. 1, 2614.  
Bhṛgu's VP. 59. 82. BHĀG. P. 4, 1, 43. MĀRK. P. 52, 14. 16. — 2) f. वि-  
धात्री a) festsetzend, bestimmend, vorschreibend COMM. zu KĀTJ. ÇR. 23,  
13. Urheberin, Schöpferin: धातुः PAÑĀR. 2, 4, 7. त्रिभुवन° TANTRAS. im  
ÇKDR. — b) N. pr. eines Wesens im Gefolge der Devī WILSON, Sel.  
Works II, 39. — c) langer Pfeffer (पिप्पली) ÇABDĀK. im ÇKDR.

विधातव्य (wie eben) adj. 1) festzusetzen, zu bestimmen: देशो ऽयं स  
विधातव्यो यत्र नः संगतिर्भवेत् HARIV. 15748. — 2) herbeizuschaffen, zu  
besorgen: आसनानि च दिव्यानि यानानि शयनानि च । विधातव्यानि पा-  
ण्डूनाम् MBH. 1, 5728. fg. — 3) zu erweisen, zu veranstalten, in's Werk  
zu setzen, zu verrichten: त्वया रत्ना विधातव्या कृत्वायाः फाल्गुणेन च  
MBH. 4, 90. मयि यज्ञाः HARIV. 298. नोपदेशो विधातव्यो मूर्खस्य Spr. 1631.  
तस्य पूजा 1968. उपासनम् ÇĀK. zu BRH. ĀR. Up. S. 38 und zu KūAND.  
Up. S. 50. किमेतस्य विधातव्यमस्माभिः was sollen wir für ihn thun?  
KATHĀS. 62, 81. तैर्वश्यं विधातव्यं व्यलीकं किंचिदेव नः so v. a. die  
werden uns gewiss einen Schabernack spielen wollen R. 5, 41, 10. न रा-  
ज्ञपुत्रस्य कृते चिन्ताधुना त्वया विधातव्या so v. a. du musst dir keine  
Sorgen machen KATHĀS. 24, 4. — 4) was man sich angelegen sein lassen  
muss, worauf man bedacht sein muss: मया कीदं विधातव्यं भवतां पादितं  
भवेत् MBH. 1, 1621. भवता यद्विधातव्यं तन्नः श्रेयः 5, 2285. इह कीर्तिर्वि-  
धातव्या सा च पुद्गेन नान्यथा 9, 269. तथा मया विधातव्यं (impers.) वि-  
श्राम्यति यथा कपिः R. 5, 7, 4. MBH. 3, 1802 (विधातव्यं mit der ed. Bomb.  
zu lesen). PAÑĀT. 83, 6. — 5) zu gebrauchen, anzuwenden: कर्मण्येषा  
षष्ठी विधातव्या SARVADARÇANAS. 133, 18. बिन्दुप्रवेशकौ नेह विधातव्यौ  
SĪH. D. 193, 4. तस्मादमो (नियोगिनः) विधातव्याः zu verwenden, anzu-  
stellen, einzusetzen Spr. 1593.

विधातृका (von 2. वि + धातृ) adj. zur Erklärung von विधवा NĪH. 3, 15.

विधातृभू (विधातृ + 2. भू) m. Bein. Nārada's TRĪK. 2, 7, 17. — Vgl.  
विधिपुत्र.

विधात्रायुस् (विधातृ + आयुस्) m. eine best. Blume, = सूर्यशोभा ÇAB-  
DĀK. im ÇKDR.

विधान (von 1. धा mit वि) 1) adj. (f. ई) regelnd: अङ्गा विधान्यामेका-  
ष्टकायाम् TS. 3, 3, 8, 4. — 2) m. N. pr. eines Sādhja HARIV. 11336. वि-  
ज्ञान die neuere Ausg. — 3) n. a) Ordnung, Maass; Festsetzung, Be-  
VI. Theil.

stimmung, Vorschrift, Regel, das zu beobachtende Verfahren, Art und  
Weise des Verfahrens: मासाम् RV. 10, 138, 6. यया विधाना विदधुर्ब्रूणाम्  
4, 31, 6. तिस्रो भूमिरूपराः षड्विधानाः eine Ordnung von Sechsen bil-  
dend 7, 87, 5. KĀTJ. ÇR. 1, 2, 19. 7, 8. 9, 5. अकृतक्रिया हि विधानम् die  
Regel verlangt LĀTJ. 10, 7, 15. स्तेम° 6, 2, 1. RV. PAÑT. 4, 7. 6, 4. 11, 12.  
21. त्वमेका ह्यस्य सर्वस्य विधानस्य स्वयंभुवः । अचित्त्यस्याप्रमेयस्य कार्य-  
तत्त्वार्थवित्प्रभो ॥ der von Svajambhu eingesetzten Ordnung M. 1, 3.  
सर्वं विधानं पाञ्चयज्ञिकम् 3, 286. देवमानुष 7, 205. यज्ञदानतपःक्रियाः —  
विधानोक्ताः BHAG. 17, 24. ज्ञातकर्मणि सर्वाणि पुंवद्विधानयुक्तानि wie sie  
für ein männliches Individuum festgesetzt sind MBH. 3, 7407. 12, 493.  
495. 14, 318. दर्श भारतं सैन्यं विधानं विश्वकर्मणः so v. a. nach Viçva-  
karma's Vorschrift aufgestellt R. 2, 91, 28. KĀM. NĪTIS. 13, 48. KATHĀS.  
61, 269. BHĀG. P. 5, 3, 2. ऋक्पादयोर्विधाने die für — geltenden Bestim-  
mungen Ind. St. 1, 102. एतद्विधानं विज्ञेयं विभागस्यैकयोनिषु M. 9, 148.  
KĀR. zu P. 2, 1, 32. KĀM. NĪTIS. 19, 28. VARĀH. BRH. S. 43, 12. PAÑĀR. 1,  
4, 86. मृत्योः so v. a. der gesetzmässige Tod MBH. 1, 7639. 7643. सर्वशा-  
स्त्रविधानज्ञ die Bestimmungen aller Lehrbücher 13, 2499. शास्त्रविधा-  
नोक्तं कर्म BHAG. 16, 24. आश्रम्य° BHĀG. P. 8, 20, 11. ऋग्विगादि° die für —  
geltenden Bestimmungen Ind. St. 1, 36, 17. सान्निप्रश्न° M. 1, 115. MBH. 1,  
49. BHĀG. P. 1, 8, 20. MĀRK. P. 119, 17. भावार्थे तत्त्वादीनां विधानात् weil  
die Suffixe त्व, तल् u. s. w. vorgeschrieben sind, als Regel gelten SARVA-  
DARÇANAS. 144, 20. 126, 1. अस्मैवेदं स्वरविधानम् KĀC. zu P. 1, 2, 35. Schol.  
zu P. 1, 2, 54. 2, 1, 13. 6, 4, 93. विधानमिदमाचरेत् eine Regel befolgen M.  
7, 113. 226. एतद्विधानमातिष्ठेत् dass. 8, 244. विधानेन nach der Regel, —  
Vorschrift R. 4, 36, 4. अनेन विधानेन M. 7, 181. 8, 228. 9, 69. 128. VARĀH.  
BRH. S. 48, 87. राक्षसेन विधानेन (उपयेमे) BHĀG. P. 10, 32, 18. शास्त्रोक्त-  
विधानेन PAÑĀT. 34, 11. पाकयज्ञविधानेन nach den für — geltenden  
Bestimmungen M. 11, 118. BHĀG. P. 9, 10, 29. MĀRK. P. 73, 16. देशकाल-  
विधानेन so v. a. am rechten Orte und zu rechter Zeit Spr. 4215. देश-  
कालविधानज्ञ R. 4, 40, 16. BHĀG. P. 9, 20, 16. संख्याविधानात् nach ma-  
thematischer Regel, mathematisch VARĀH. BRH. S. 12, 14. विधानतस् der  
Vorschrift gemäss JĀĒN. 1, 234. R. 1, 72, 21. 2, 26, 13. R. GORR. 2, 56, 29.  
5, 72, 6. MĀRK. P. 16, 57. 69, 54. WEBER, KRISHNĀG. 296. अविधानतस् M.  
9, 144. 12, 7. सुविधानतस् genau nach der Vorschrift KĀM. NĪTIS. 13, 76.  
वेदस्मृतिविधानतस् M. 6, 89. R. GORR. 1, 19, 29. विधानिस् = विधानेन,  
विधानतस् MBH. 14, 291 (निवापिस् ed. Bomb.). R. 2, 83, 26. — b) Me-  
thode, Verfahren, Recept (in der Medicin) SUÇA. 1, 159, 17. 2, 12, 15. 51,  
9. 103, 7. 227, 6. °ज्ञ 299, 19. Regime (des Essens) 486, 12. — c) Bestim-  
mung, Schicksal: अर्थानर्थौ सुखं दुःखं विधानमनुवर्तते MBH. 12, 850. 852.  
6755. Spr. 3186. 3271. — d) das Treffen von Anordnungen, — Verfü-  
gungen, Ergreifen von Maassregeln: स्वयं शाधि यज्ञे विधानम् MBH. 14,  
280. °ज्ञ R. 1, 38, 4. कृत्वा विधानं मूले M. 7, 184. MBH. 3, 6088. करिष्या-  
मो विधानं ते येन त्वं वर्तयिष्यसि HARIV. 1269. R. 1, 11, 17. विधानं द्विगुणं  
कृत्वा 6, 17, 2. PAÑĀR. 1, 14, 8. तस्माद्विधाय नगरे विधानं सचिवैः सह  
MBH. 3, 7472. R. 7, 21, 5. विधानमनुतिष्ठतं प्राणिना यस्य यादृशम् 2. वा-  
लिवध° 4, 12 in der Unterschr. पुर° 6, 12 in der Unterschr. रत्नाविधानं  
मनसा स संचिन्त्य MBH. 13, 2267. अनागतविधानं च कर्तव्यम् Spr. (II) 270.  
R. 3, 30, 11. अनागतविधानं च तस्यार्थं प्रविधीयताम् 4, 14, 29. अश्चस्तन°